# जन्म कुण्डली

## Ananya (sample client)

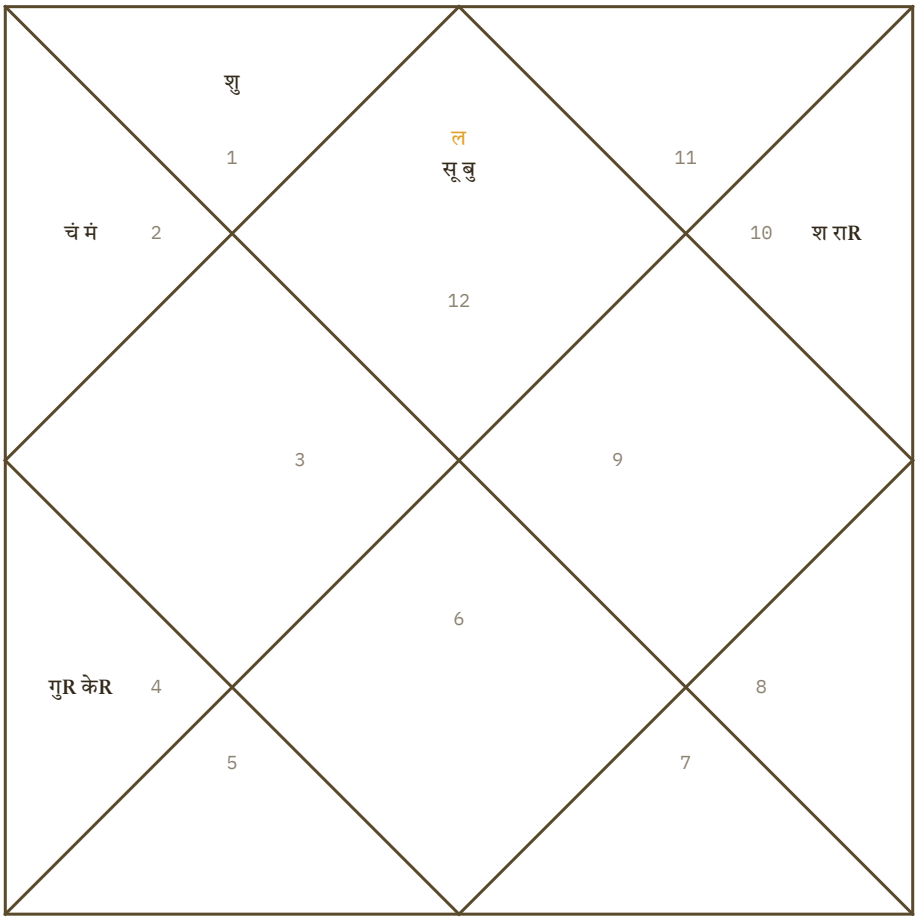
| | |
|---|---|
| नाम | Ananya (sample client) |
| जन्म तिथि | 21 Mar 1991 |
| जन्म समय | 07:40 |
| जन्म स्थान | Pune, India |
| अक्षांश | 18.5204 |
| देशांतर | 73.8567 |
| समय क्षेत्र | UTC+05:30 |
| अयनांश | Lahiri 23.7344° |
| तैयार करने की तिथि | 19 Nov 2026 |

आत्म-मार्गदर्शन। अंधविश्वास नहीं।

## जन्म पंचांग

| | |
|---|---|
| तिथि | Shukla Shashthi (6/15) |
| वार | गुरुवार |
| नक्षत्र | कृत्तिका – 4 |
| योग | Priti |
| करण | Kaulava |
| सूर्योदय | 06:38 |
| सूर्यास्त | 18:46 |
| राहु काल | 14:13–15:44 |
| यमगण्ड | 06:38–08:09 |
| गुलिक काल | 09:40–11:11 |
| अभिजित मुहूर्त | 12:18–13:06 |
| गुलिक (मांदि) | वृषभ 0.24° · भाव 3 |

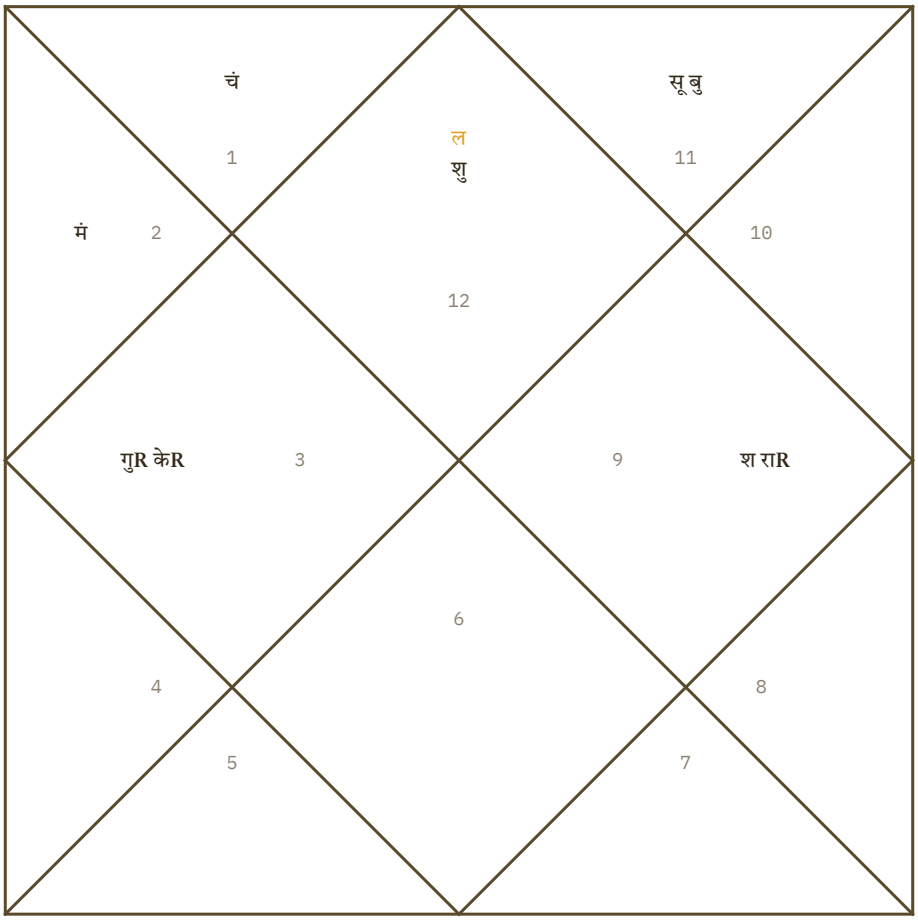
# राशि कुण्डली (D1)




| ग्रह | अंश | राशि | नक्षत्र | नक्षत्र स्वामी | उप स्वामी | भाव | बल स्थिति | गति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | 24°33'35" | मीन | रेवती 3 | बुध | राहु | 1 | – | – |
| सूर्य | 6°13'31" | मीन | उत्तराभाद्रपद 1 | शनि | बुध | 1 | सम | |
| चन्द्र | 7°46'20" | वृषभ | कृत्तिका 4 | सूर्य | केतु | 3 | उच्च | |
| मंगल | 29°33'50" | वृषभ | मृगशिरा 2 | मंगल | शनि | 3 | सम | |
| बुध | 22°50'59" | मीन | रेवती 2 | बुध | चन्द्र | 1 | नीच | |
| गुरु | 9°57'10" | कर्क | पुष्य 2 | शनि | शुक्र | 5 | उच्च | (R) |
| शुक्र | 8°54'16" | मेष | अश्विनी 3 | केतु | गुरु | 2 | सम | |
| शनि | 10°34'43" | मकर | श्रवण 1 | चन्द्र | चन्द्र | 11 | स्वगृही | |
| राहु | 1°12'27" | मकर | उत्तराषाढ़ा 2 | सूर्य | राहु | 11 | सम | (R) |
| केतु | 1°12'26" | कर्क | पुनर्वसु 4 | गुरु | मंगल | 5 | सम | (R) |

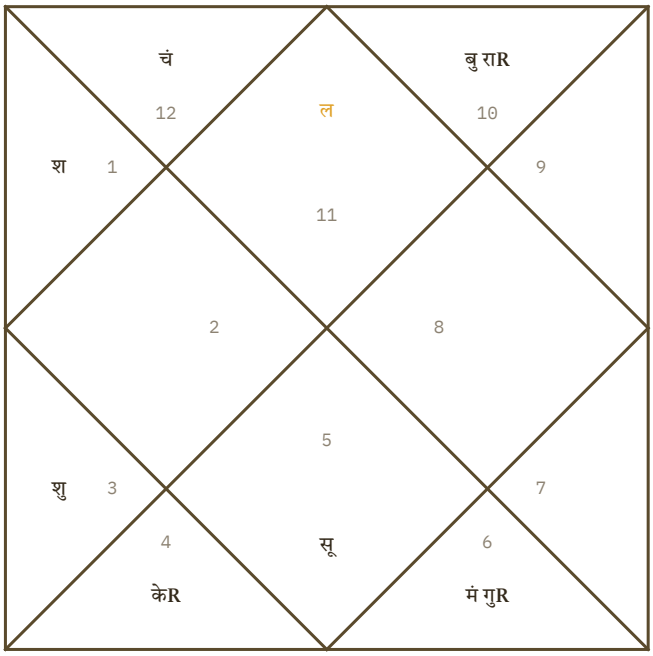
*(R)* वक्री · *C* अस्त

# भाव चलित

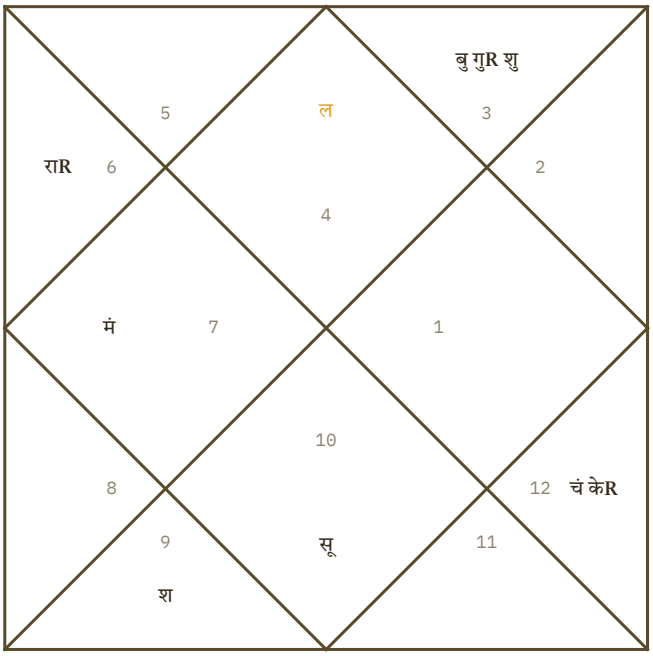



| भाव संधि | राशि | अंश | नक्षत्र | नक्षत्र स्वामी | उप स्वामी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मीन | 24°33'35" | रेवती | बुध | राहु |
| 2 | मेष | 27°19'33" | कृत्तिका | सूर्य | सूर्य |
| 3 | वृषभ | 24°27'49" | मृगशिरा | मंगल | राहु |
| 4 | मिथुन | 19°34'21" | आर्द्रा | राहु | मंगल |
| 5 | कर्क | 16°13'28" | पुष्य | शनि | गुरु |
| 6 | सिंह | 17°38'24" | पूर्वाफाल्गुनी | शुक्र | मंगल |
| 7 | कन्या | 24°33'35" | चित्रा | मंगल | राहु |
| 8 | तुला | 27°19'33" | विशाखा | गुरु | शुक्र |
| 9 | वृश्चिक | 24°27'49" | ज्येष्ठा | बुध | राहु |
| 10 | धनु | 19°34'21" | पूर्वाषाढ़ा | शुक्र | राहु |
| 11 | मकर | 16°13'28" | श्रवण | चन्द्र | शनि |
| 12 | कुम्भ | 17°38'24" | शतभिषा | राहु | सूर्य |

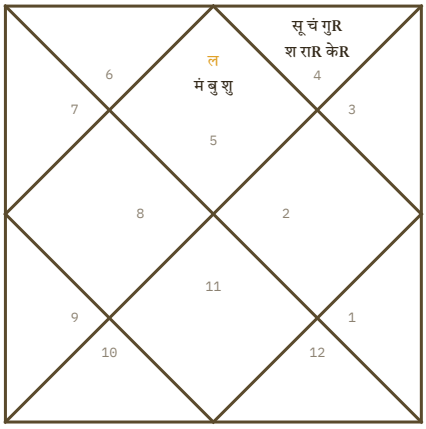
# वर्ग कुण्डलियाँ



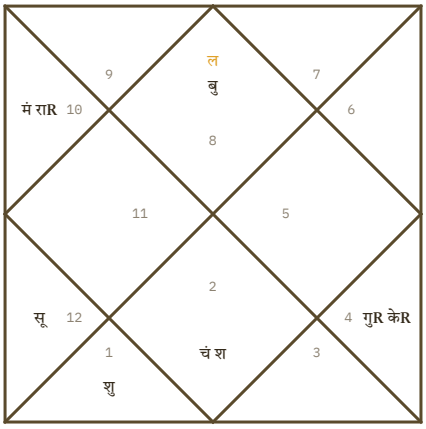

D9 Navamsha



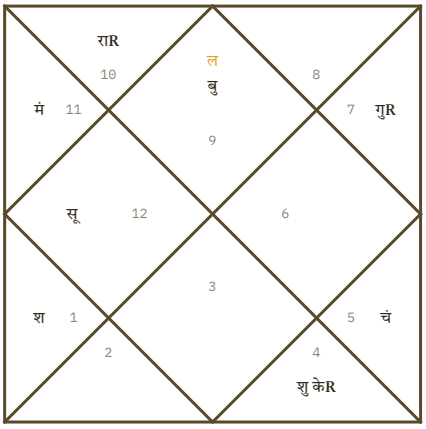

D10 Dashamsha



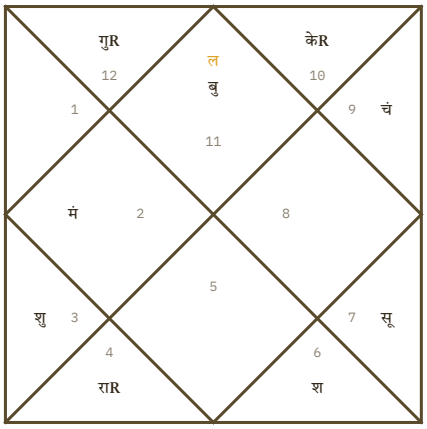

D2 Hora



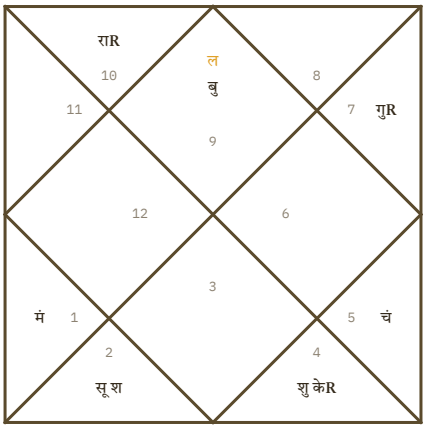

D3 Drekkana



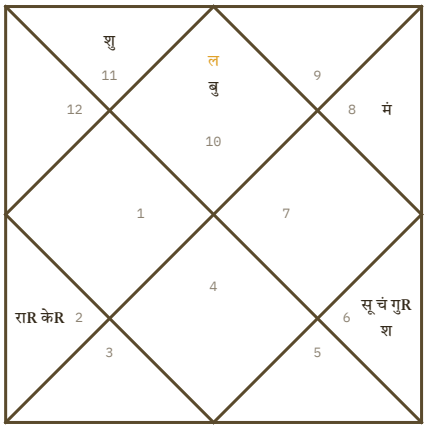

D4 Chaturthamsha




D7 Saptamsha




D12 Dwadashamsha




D30 Trimshamsha

# विंशोत्तरी दशा

| महादशा | से | तक |
|---|---|---|
| सूर्य | 1986-03-21 | 1992-03-21 |
| चन्द्र | 1992-03-21 | 2002-03-21 |
| मंगल | 2002-03-21 | 2009-03-21 |
| राहु | 2009-03-21 | 2027-03-22 |
| गुरु | 2027-03-22 | 2043-03-22 |
| शनि | 2043-03-22 | 2062-03-21 |
| बुध | 2062-03-21 | 2079-03-22 |
| केतु | 2079-03-22 | 2086-03-21 |
| शुक्र | 2086-03-21 | 2106-03-22 |

## राहु महादशा — अंतर्दशा

| महादशा | से | तक |
|---|---|---|
| राहु | 2009-03-21 | 2011-12-02 |
| गुरु | 2011-12-02 | 2014-04-27 |
| शनि | 2014-04-27 | 2017-03-03 |
| बुध | 2017-03-03 | 2019-09-20 |
| केतु | 2019-09-20 | 2020-10-08 |
| शुक्र | 2020-10-08 | 2023-10-09 |
| सूर्य | 2023-10-09 | 2024-09-01 |
| चन्द्र | 2024-09-01 | 2026-03-03 |
| मंगल (वर्तमान) | 2026-03-03 | 2027-03-22 |

## गुरु महादशा — अंतर्दशा

| महादशा | से | तक |
|---|---|---|
| गुरु | 2027-03-22 | 2029-05-09 |
| शनि | 2029-05-09 | 2031-11-20 |
| बुध | 2031-11-20 | 2034-02-25 |
| केतु | 2034-02-25 | 2035-02-01 |
| शुक्र | 2035-02-01 | 2037-10-02 |
| सूर्य | 2037-10-02 | 2038-07-21 |
| चन्द्र | 2038-07-21 | 2039-11-20 |
| मंगल | 2039-11-20 | 2040-10-26 |
| राहु | 2040-10-26 | 2043-03-22 |

# अष्टकवर्ग

| मेष | वृषभ | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 20 | 33 | 28 | 26 | 30 | 20 | 25 | 28 | 31 | 35 | 27 | 34 |

कुल: 337

| ग्रह | मेष | वृषभ | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | 2 | 4 | 3 | 3 | 4 | 3 | 4 | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 | 48 |
| चन्द्र | 1 | 6 | 5 | 5 | 3 | 3 | 6 | 2 | 4 | 6 | 4 | 4 | 49 |
| मंगल | 2 | 5 | 2 | 4 | 5 | 2 | 2 | 3 | 4 | 4 | 2 | 4 | 39 |
| बुध | 3 | 4 | 5 | 4 | 7 | 1 | 3 | 5 | 6 | 5 | 7 | 4 | 54 |
| गुरु | 4 | 5 | 6 | 3 | 5 | 5 | 2 | 5 | 6 | 6 | 3 | 6 | 56 |
| शुक्र | 6 | 6 | 3 | 5 | 4 | 3 | 4 | 5 | 2 | 6 | 3 | 5 | 52 |
| शनि | 2 | 3 | 4 | 2 | 2 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 3 | 6 | 39 |

# ग्रह एवं भाव बल

## षड्बल (विरूप)

| ग्रह | स्थान | दिक् | काल | चेष्टा | नैसर्गिक | दृक् | कुल | रूप | आवश्यक | अनुपात | क्रम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | 225.0 | 34.5 | 134.3 | 0.0 | 60.0 | 2.0 | 455.8 | 7.60 | 6.50 | 1.17 | 3 |
| चन्द्र | 238.4 | 46.1 | 70.1 | 0.0 | 51.4 | -13.6 | 392.4 | 6.54 | 6.00 | 1.09 | 5 |
| मंगल | 158.2 | 6.7 | 184.2 | 33.3 | 17.1 | -15.2 | 384.4 | 6.41 | 5.00 | 1.28 | 7 |
| बुध | 137.6 | 59.4 | 227.8 | 29.3 | 25.7 | -5.5 | 474.4 | 7.91 | 7.00 | 1.13 | 2 |
| गुरु | 212.1 | 24.9 | 229.9 | 42.7 | 34.3 | -16.2 | 527.7 | 8.79 | 6.50 | 1.35 | 1 |
| शुक्र | 198.5 | 36.4 | 101.1 | 23.2 | 42.9 | -11.0 | 391.1 | 6.52 | 5.50 | 1.19 | 6 |
| शनि | 216.9 | 24.7 | 119.0 | 18.6 | 8.6 | 10.4 | 398.2 | 6.64 | 5.00 | 1.33 | 4 |

## भाव बल (विरूप)

| भाव | राशि | स्वामी | भावाधिपति | दिक् | दृष्टि | कुल | रूप | क्रम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मीन | गुरु | 527.7 | 30.0 | 33.6 | 591.2 | 9.85 | 2 |
| 2 | मेष | मंगल | 384.4 | 20.0 | -3.2 | 401.1 | 6.69 | 12 |
| 3 | वृषभ | शुक्र | 391.1 | 10.0 | 3.4 | 404.4 | 6.74 | 11 |
| 4 | मिथुन | बुध | 474.4 | 30.0 | 35.5 | 539.9 | 9.00 | 4 |
| 5 | कर्क | चन्द्र | 392.4 | 50.0 | 27.5 | 469.9 | 7.83 | 8 |
| 6 | सिंह | सूर्य | 455.8 | 20.0 | -7.7 | 468.1 | 7.80 | 9 |
| 7 | कन्या | बुध | 474.4 | 0.0 | 69.5 | 543.9 | 9.06 | 3 |
| 8 | तुला | शुक्र | 391.1 | 10.0 | 80.0 | 481.1 | 8.02 | 7 |
| 9 | वृश्चिक | मंगल | 384.4 | 40.0 | 86.1 | 510.4 | 8.51 | 5 |
| 10 | धनु | गुरु | 527.7 | 60.0 | 37.3 | 624.9 | 10.42 | 1 |
| 11 | मकर | शनि | 398.2 | 10.0 | 50.9 | 459.1 | 7.65 | 10 |
| 12 | कुम्भ | शनि | 398.2 | 50.0 | 34.3 | 482.5 | 8.04 | 6 |

षड्बल और भाव बल बी. वी. रमन के ग्रंथ 'ग्रह और भाव बल' में दी गई शास्त्रीय विधि का अनुसरण करते हैं, जो श्रीपति और पराशर पर आधारित है। सूर्य और चंद्र को चेष्टा बल नहीं मिलता; इसके स्थान पर काल बल में उनका अयन बल और पक्ष बल दोगुना होता है। भावों की गणना श्रीपति भाव मध्य से की गई है, और प्रत्येक भाव का स्वामी उस राशि का स्वामी है जिसमें उसका भाव मध्य पड़ता है। *1.0* से कम अनुपात मोटे अक्षरों में है। शास्त्रों में राहु-केतु का षड्बल नहीं दिया गया है।

# योग एवं कारक

| योग | निर्माता ग्रह | भाव | श्रेणी |
|---|---|---|---|
| Neecha Bhanga Raja Yoga | बुध + बुध | H1 | पूर्ण |
| Saraswati Yoga | गुरु + शुक्र + बुध | H1 | प्रबल (सशर्त) |
| Chandra-Mangal Yoga | चन्द्र + मंगल | H3 | प्रबल |
| Anapha Yoga | चन्द्र + शुक्र | H3 | प्रबल |
| Budhaditya Yoga | सूर्य + बुध | H1 | प्रबल (सशर्त) |
| Veshi Yoga | सूर्य + शुक्र | H1 | प्रबल |
| Parivartana Yoga | मंगल + शुक्र | H3 | आंशिक |

## जैमिनी चर कारक

| कारक | | ग्रह | राशि | भाव |
|---|---|---|---|---|
| AK | Atmakaraka | मंगल | वृषभ | 3 |
| AmK | Amatyakaraka | राहु | मकर | 11 |
| BK | Bhratrikaraka | बुध | मीन | 1 |
| MK | Matrukaraka | शनि | मकर | 11 |
| PiK | Pitrikaraka | गुरु | कर्क | 5 |
| PuK | Putrakaraka | शुक्र | मेष | 2 |
| GK | Gnatikaraka | चन्द्र | वृषभ | 3 |
| DK | Darakaraka | सूर्य | मीन | 1 |

## इस कुण्डली के बारे में

यह कुण्डली आपके जन्म क्षण के आकाश का लेखा है: राशि एवं वर्ग कुण्डलियाँ, पंचांग, विंशोत्तरी दशा, अष्टकवर्ग, शास्त्रीय बल और आपकी कुण्डली के योग। यह समझ का मानचित्र है, निर्णय नहीं। अपनी कुण्डली को अच्छे से जीने के लिए किसी रत्न, अनुष्ठान या खरीद की आवश्यकता नहीं — जागरूकता और सही प्रयास ही उपाय है।

adityadrishti.com

v1.4 · 19 Nov 2026